ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

मेरा नया बचपन

क्लास -७

विषय –हिन्दी

पाठ -४

PPT-५ (प्रश्नोत्तर)

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

अभ्यास केलिए

- **मौखिक**
- **कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए-**
- **क) बचपन कैसा था?**
- **उत्तर –बचपन मधुर था ।**
- **ख)दादा ने क्या दिखलाया?**
- **उत्तर –दादा ने चंदा दिखलाया ।**
- **ग) कवयित्री बचपन से क्या माँगती है?**
- **उत्तर – कवयित्री बचपन से निर्मल शांति माँगती है ।**
- **(घ) माँ की कुटिया कैसे खिल उठी?**
- **उत्तर –माँ की कुटिया नंदन वन सी खिल उठी ।**
- **ङ) बच्ची माँ को क्या खिलाने लेकर आई?**
- **उत्तर - बच्ची माँ को मिट्टी खिलाने लेकर आई थी ।**

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

लिखित

- 1 सदर्भ के अनुसार जोड़कर लिखिए

(क) सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म	१९०४ में प्रयाग में हुआ
(ख) 'कोयल' तथा 'सभा का खेल'	सुभद्रा जी की रचनाएं
(ग) मैं बचपन को बुला रही थी	बोल उठी बिटिया मेरी
(घ) मानव जीवन का सबसे सुंदर	समय बचपन का ही है
(ङ) खोया हुआ बचपन	बेटी में पाया
(च) दादा ने	चंदा दिखलाया

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

2. संदर्भ सहित भाव स्पष्ट कीजिए

- क) “चिंता रहित खेलना खाना
- वह फिरना निर्भय स्वच्छंद,
- कैसे भूला जा सकता है
- बचपन का अतुलित आनंद! “

उत्तर - बचपन चिंता रहित, स्वच्छंद एवं मस्ती भरा होता है। बचपन में माँ शिशु के थोड़ा सा रोने

- ,पर सब काम-काज छोड़कर उसके पास आ जाती है। कवयित्री अपनी बचपन की स्मृतियों में
- खोई हुई थी । अचानक उसकी बिटिया द्वारा पुकारे जाने पर उसका ध्यान टूट जाता है।
- अपनी विटिया में वह अपना बचपन देखती है। कवयित्री कह रही है कि उसे अपने बचपन की मधुर यादें बार
- -बार आती रहती है। उसे लगता है जैसे बचपन के जाने के बाद उसके जीवन में से मस्ती का समय चला
- गया। बचपन में वह बिना किसी चिंता के खेलती और खाया करती थी। वह बिना किसी भय के घूमा करती
- थी। भला बचपन के उस अनुपम आनंद को कैसे भूल सकती है।
-

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

संदर्भ सहित भाव स्पष्ट कीजिए

- (ख) माँ ओ कहकर बुला रही थी
- मिट्टी खा कर आई थी
- कुछ मुँह में, कुछ लिए हाथ में,
- मुझे खिलाने आई थी।
- उत्तर –
- जब वह बचपन से फिर से आने के लिए अनुरोध कर रही थी, तभी उसकी छोटी-सी बेटी
- अचानक उसे ओ माँ' कहकर पुकार उठी। कवयित्री ने अचानक उसकी ओर देखा तो देखती ही रह गई।
- बिटिया के बोलते ही ऐसा लगा कि कवयित्री का वह घर, प्रसन्नता के मारे स्वर्ग के नंदनवन के समान
- फूलों से भर गया हो। बेटी भी मिट्टी खाकर आई थी। कुछ मिट्टी अभी भी मुँह में थी और हाथ में भी
- मिट्टी थी, जिसे वह अपनी माँ को खिलाने के लिए आई थी। मिट्टी चखने का रोमांचित आनंद, उसके
- अंग-अंग से छलका पड़ रहा था। आँखों में भोला कौतूहल छाया हुआ था। मुख परम हर्ष से लाल हो रहा
- था और लगता था बिटिया को अपने मिट्टी खाने जैसे महान कार्य पर बड़ा गर्व भी हो रहा था।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

.3 . निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

(क) 'मैं बचपन को बुला रही थी. बोल उठी बिटिया मेरी इन पंक्तियों का भाव क्या है ?

उत्तर -बचपन चिंता रहित, स्वच्छंद एवं मस्ती भरा होता है। बचपन में शिशु के थोड़ा सा रोने पर माँ सब काम-काज छोड़कर उसके पास आ जाती है। कवयित्री अपनी बचपन की स्मृतियों में खोई हुई थी, अचानक उसकी बिटिया द्वारा पुकारे जाने पर उसका ध्यान टूट जाता है। अपनी बिटिया में वह अपना बचपन देखती है। मिट्टी खिलाने आई बेटी को निहारती कवयित्री ने देखा कि उसका अपना बचपन ही बालमूर्ति बनकर उसके सामने खड़ा मुस्करा रहा था। बचपन ने उनकी पुकार स्वीकार कर ली थी। वह बेटी का रूप धारण करके सुभद्रा जी के जीवन को फिर से शान्त, विश्रान्त, स्वच्छंद और मस्ती भरा बनाने आ गया था।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

.3 . निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

(ख) कवयित्री को बार-बार किसकी याद आती है और क्यों?

उत्तर -कवयित्री अपने बचपन के दिनों को बड़ी चाह के साथ याद करती थी । बचपन से कवयित्री की अनेक मधुर स्मृतियाँ जुड़ी हुई हैं। उसी के शब्दों में, बचपन उसके जीवन की सबसे अधिक मस्ती भरी खुशी ले गया है। बचपन में कवयित्री चिंतारहित होकर खेला करती और मनचाही वस्तुएँ खाया करती थी, उसे किसी प्रकार भय नहीं था। भला ऐसा आनंद भरा बचपन कोई कैसे भूल सकता है। इसी कारण कवयित्री को अपने बचपन की मधुर यादें बार-बार आया करती थीं। उसे बचपन की क्रीड़ाएँ, रोना, मचलना, मनाया जाना, माता और दादा का लाड़, सभी कुछ स्मरण था। कवयित्री बचपन के साथ ही अपनी युवावस्था को भी याद करती है। उसे चिंताओं और संघर्ष से भरी जवानी एक फंदा और झंझट जैसी प्रतीत होती है। संयोगवश उसके यहाँ एक पुत्री जन्म लेती है और उसकी भोली-भाली क्रीड़ाओं में कवयित्री को अपना खोया हुआ बचपन फिर से मिल जाता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

3 . निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

- **(ग) 'दादा ने चंदा दिखलाया', यह काव्य पंक्ति आपको क्या याद दिलाती है?**
- उत्तर –दादा ने चंदा दिखलाया –कवयित्री कहती है-जब वह रोती थी तो उसके दादा उसे बहलाने के
- लिए चन्द्रमा दिखाया करते थे। तब उसकी आँसू भरी आँखों में प्रसन्नता की दमक आ जाती थी।
- आँसुओं के बीच उसकी सरल मुस्कान को देख सभी लोग प्रसन्न हो जाया करते थे । यह काव्य
- पंक्ति हमें अपने बचपन की उस घटना की याद दिलाती है ,जब हम बचपन में खाना नहीं खाते
- थे तो हमारे दादा जी बड़े लाड़ से बड़े प्यार से हमें गोद में उठाकर चाँद दिखाकर कहते थे ,अगर
- तुम खाना नहीं खाओगे तो मैं खाना चंदा मामा को दे दूंगा और तब हम झट से खाना खा लेते
- थे । मुझे देखकर सब लोगों के चेहरे खुशी से चमक उठते थे ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

(घ) बच्ची द्वारा खिलाई गई मिट्टी माँ को कैसी लगती होगी?

बच्चों द्वारा खिलाई गई मिट्टी माँ को अमृत के समान लगती होगी। माँ वात्सल्य का सागर होती है। जब शिशु अपनी तोतली बोली से 'माँ' बोलता है, तो वह निहाल हो जाती है। बच्ची माँ को इतने

भोलेपन व प्यार से मिट्टी खाने का आग्रह करती है कि माँ अपनी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं कर पाई

होगी और उसे साधारण मिट्टी भी अमृत के समात लगी होगी।

ङ) बचपन के वापस आने से क्या होगा?

- बचपन के वापस आने से बहुत खुशी मिलेगी। बचपन में कोई चिंता नहीं होती। संगी साथियों के साथ खेलना-कूदना और मिट्टी
- में गंदा हो जाना आदि, बचपत कितना सुहाना था। जब में रोती थी तो माँ सारा काम-काज छोड़कर मेरे पास आ जाती, फिर मुझे ढेर
- सारा प्यार करती और चॉकलेट देती। आज भी मुझे याद है कि मैं किस तरह अपनी माँ को बिना सिर पैर वाली कहानी सुनकर
- खूब वाह –वाही लेती थी । माँ द्वारा गायी लोरी चंदा मामा दूर के को जब भी सुनता हूँ तो मेरी आँखें नम हो जाती है । सचमुच
- बचपन मनुष्य के जीवन का वो स्वर्णिम काल है जिसे न तो भुलाया जा सकता है और न ही वापस बुलाया जा सकता है ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए

- **(क) 'झूठ से परे होता है बचपन' इस पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। (मूल्यपरक प्रश्न)**
- **हर किसी को अपना बचपन याद आता है। हम सबने अपने बचपन को जीया है। शायद ही कोई होगा, जिसे अपना बचपन याद न आता हो। झूठ, एक जो विशेष रूप से किसी को धोखा देने की मंशा से बोला जाता है और प्रायः जिसका उद्देश्य होता है किसी राज़ या प्रतिष्ठा को बरकरार रखना, किसी की भावनाओं की रक्षा करना या सजा या किसी के द्वारा किए गए कार्य की प्रतिक्रिया से बचना । लेकिन बचपन सही अर्थ में झुट से परे होता है ।उस समय हमें सच झुट का ज्ञान नहीं होता था । बड़े जो बोलते थे हम वही करते थे । बचपन में हम इन सच झुट से थोड़ा दूर रहते हैं क्यों कि उस समय हम में दुनियादारी की समझ नहीं होती थी । हमेशा मस्ती से हम झूमते थे । हम जो चाहते थे हमे वो मिल जाता था ,इसमे हम खुश हो जाते थे । सदा सच बोलने का पाठ हमें बचपन से पढाया जाता है। बचपन में हम अपने जीवन को खुलके जीते थे ।**

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ख) बचपन की किसी अबोध एवं चंचलतापूर्ण घटना को याद करके लिखिए

- बचपन में मैं बहुत शरारती और जिद्दी थी । मेरी बात न माने जाने पर मैं घर में कोहराम मचा
- देती थी । अपने इस स्वभाव के कारण कभी –कभी मुझे पापा से डांट भी पड़ जाती थी । उसके
- बाद तो मैं जिद करके रोने लगती थी और खाना खाना ही छोड़ देती थी । जब तक पापा मुझे
- बाहर घुमाने ले जाने का वादा नहीं कर देते तब तक मैं मुँह फुलाए बैठी रहती थी ।
- कभी कभी हमारा जिद यदि पूरा नहीं होता है तो हमें बुरा लगता है । हमारे ममी पापा हमें
- कितना प्यार करते हैं हम उस समय समझते नहीं । यदि वो कुछ बुरा भला कहदे तो हमें यह
- समझ लेना चाहिए कि वो जो कुछ बोलते हमारे हित केलिए बोलते हैं ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

भाषा ज्ञान

- बच्चा –बचपन शिशु –शिशुता

ध्यान दीजिए, 'बच्चा' शब्द जातिवाचक संज्ञा है, 'बचपन' भाववाचक संज्ञा है इससे पता चलता है कि जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा बनाई जा सकती है।

नीचे कुछ जातिवाचक संज्ञाएँ दी जा रही हैं, उनसे भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए

क) लड़का "लड़कपन

(ख) बाल ---बालपन

(ग) पशु—पशुता

(घ) शत्रु—शत्रुता

(ङ) चोर—चोरी

(च) प्रभु—प्रभुता

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

निम्नलिखित उचित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

- सफ़ेद, मीठी, कड़वी, ठंडी, कोमल, हलकी, चिकनी, मुलायम
- 2. नंदन वन-सी बालिका, छोटी-सी गुड़िया में 'सी' वाचक शब्द का
- प्रयोग समानता केलिए किया गया है।
- (क)बर्फ सी .....ठंडी .....
- (ख)रूई सी .....कोमल .....
- (ग) हवा सी ...हल्की .....
- (घ) तेल सी .....चिकनी .....
- (ड) शहद सी.....मीठी .....
- (च) दवाई सी ....कड़वी .....
- (छ) दूध सी .....सफेद .....
- (ज) मखमल सी ...मुलायम .....

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

क्रिया कलाप

- **चित्र में माँ और बेटी दोनों हैं । इन दोनों में किस प्रकार का संवाद हो रहा होगा ? कल्पना करके लिखिए**
- **उत्तर** -नन्ही-सी गुड़िया ने जब सुभद्रा जी को 'ओ माँ !' कहकर पुकारा तो कवयित्री के तन-मन
- वात्सल्य से भीग गए। देखा कि बिटिया मिट्टी का भोग लगाकर आई थी। वह मधुर प्रसाद
- उनके मुख की शोभा तो बढ़ा ही रहा था, वह अपनी माँ को भी वह स्वादिष्ट मिट्टी चखाने आई
- थी। बेटी ने कहा- माँ खाओ' (माँ खाओ) तो माता ने कहा-'तुम्हीं खाओ। माँ उस पुलकित अंगों
- वाली और आँखों से अचरज बरसाती आखों वाली बेटी में अपने बचपन को मूर्तिमान देखकर
- निहाल हो गई। उसका बचपन वापस आ गया था।
- संवाद लेखन छात्र स्वयं करेंगे ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP